नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत का सटीक जवाब

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने अमेरिका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी देकर न केवल अपनी गैर-जिम्मेदाराना मानसिकता उजागर की, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि इस्लामाबाद का सैन्य नेतृत्व आज भी 20 वीं सदी की सोच में जी रहा है. यह बयान किसी आत्मविश्वास का नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति के प्रति हताशा का प्रतीक है.

भारत ने इस धमकी को 'गीदड़भभकी' कहकर खारिज किया. भारत के सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्पष्ट संदेश कि 'भारत पाकिस्तान की एटॉमिक ब्लैकमेलिंग में नहीं फंसने वाला' न केवल दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि यह भी रेखांकित करता है कि भारतीय सेना किसी भी परिस्थिति में जवाब देने में सक्षम है. वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दिवालिया होने की कगार पर है, आंतरिक आतंकवाद से त्रस्त है और उसकी जनता महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के बोझ तले कराह रही है. ऐसे में असीम मुनीर का परमाणु हथियार लहराना महज ध्यान भटकाने और घरेलू मोर्चे पर अपनी असफलताओं को छिपाने का हथकंडा है. यह वही पाकिस्तान है, जो आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाकर दुनिया भर में बदनाम हो चुका है.भारत की रक्षा तैयारी आज अभूतपूर्व है. आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान, एस - 400 एयर डिफेंस सिस्टम, पनडुब्बी-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तेजी—ये सब मिलकर किसी भी दुश्मन को यह संदेश देते हैं कि भारत पर किसी भी तरह का हमला आत्मघाती साबित होगा. भारतीय सेना की 'कोल्ड स्टार्ट' जैसी युद्ध रणनीतियां और त्रिस्तरीय परमाणु प्रतिरोध क्षमता पाकिस्तान की किसी भी मूर्खतापूर्ण हरकत का तत्काल और निर्णायक जवाब देने में सक्षम हैं. यह भी उल्लेखनीय है कि असीम मुनीर का यह बयान अमेरिका की धरती से आया. यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर किस माहौल में और किन संकेतों के बीच एक परमाणु धमकी जैसे गैर-जिम्मेदार बयान को अमेरिकी मंच मिला?

अमेरिका, विशेषकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पाकिस्तान के साथ 'रणनीतिक दोस्ती' के नाम पर जिस तरह के ढीले-ढाले रवैये अपनाते रहे हैं, उन्होंने इस्लामाबाद को बार-बार हौसला दिया. ट्रंप प्रशासन के समय पाकिस्तान को कई बार बिना जवाबदेही के आर्थिक और सैन्य मदद दी गई, जिससे उसकी हिम्मत और बढ़ी. इस मामले में वाशिंगटन को भी आत्ममंथन करना होगा कि वह आतंक और परमाणु ब्लैकमेल की राजनीति को मंच क्यों दे रहा है ?

भारत का रुख स्पष्ट है कि हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन कमजोरी दिखाना हमारे स्वभाव में नहीं. पाकिस्तान की परमाणु धमकी उसकी कूटनीतिक और सामरिक असफलताओं का प्रमाण है, और भारत की रणनीतिक क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि ऐसी किसी भी गीदड़ भभकी का जवाब न केवल मिलेगा, बल्कि ऐसा जवाब मिलेगा जो इतिहास में दर्ज होगा. अब समय आ गया है कि दुनिया, खासकर अमेरिका, पाकिस्तान जैसे गैर-जिम्मेदार परमाणु राष्ट्रों को खुला मंच देना बंद करे और भारत, अपनी मजबूत रक्षा क्षमता के साथ, इस संदेश को दुनिया तक पहुंचाता रहे कि हम किसी पर पहले हमला नहीं करेंगे, लेकिन जो हमें ललकारेगा, उसका अंजाम तय है.

वोट चोरी के आरोपों की चुनाव आयोग गंभीरता से जांच करे

मतदाता सूची में गड़बड़ी के प्रमाण निरंतर प्रकाश में आ रहे हैं- कहीं एक घर में 250 मतदाता पंजीकृत हैं तो कहीं 10×15 फीट के कमरे में 80 मतदाता रह रहे हैं और वह भी अलग-अलग जातियों व क्षेत्रों के, कहीं बड़ी संख्या में मकानों का नंबर शून्य लिखा है, तो कहीं पिता का नाम एफजीएचआई लिखा है या एक ही व्यक्ति को दो फोटो पहचान कार्ड जारी किए हुए हैं, कहीं फॉर्म 6 पर 70 वर्षीय महिला को मतदाता बनाया हुआ है, जबकि इसका संबंध पहली बार के नए मतदाता से है, तो कहीं फोटो ऐसा लगाया हुआ है कि माइक्रोस्कोप से भी दिखायी न दे. इस किस्म की अनेक त्रुटियां हैं, जिनको त्वरित सुधारने की जरूरत है ताकि मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बना रहे. लेकिन चुनाव आयोग क्या कर रहा है? वह कहीं वोट बढ़ा देता है, कहीं वोट घटा देता है और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने जवाब में कहता है कि बिहार में मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख लोगों की न तो सूची शेयर करेगा और न ही यह बताने के लिए बाध्य है कि उनका नाम किस वजह से सूची से हटाया गया है. यह जानकारी अगर चुनाव आयोग नहीं देगा, तो फिर कौन देगा?

चुनाव आयोग ने अपनी साइट पर जो बिहार की डिजिटल मतदाता सूची अपलोड की थी उसे हटाकर ऐसे फॉर्मेट में सूची अपलोड की है, जिसे पढ़ना व डाउनलोड करना लगभग असंभव है. इससे चुनाव आयोग के इरादों पर शक गहरा ही होता है. विशेषकर इसलिए कि %वोट चोरी% का आरोप लगाते हुए जब विपक्ष के 300 सांसदों ने 11 अगस्त को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने के लिए समय मांगा, तो उन्होंने जगह की तंगी का हवाला देते हुए केवल 30 सांसदों से ही मुलाकात करने को कहा. लेकिन यह भी न हो सका, क्योंकि यह सांसद जब संसद भवन से निर्वाचन सदन की तरफ मार्च करते हुए जा रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और दो घंटे बाद छोड़ा. क्या मजाक है, देश की राजधानी में इतनी जगह भी नहीं है ज्ञानेश कुमार 300 सांसदों से एक साथ मुलाकात कर सकें?

राहुल गांधी ने इल्जाम लगाया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दो मुख्य आरोप लगाए हैं. एक, उन्होंने पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए, दो, उन्होंने 2024 कर्नाटक लोकसभा चुनाव में %वोट चोरी% का आरोप लगाया. कर्नाटक से संबंधित आरोप लगाने से पहले राहुल गांधी ने गहरी पड़ताल की और साक्ष्यों के आधार पर आरोप लगाए. भारत के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब ठोस साक्ष्यों के साथ आरोप लगाए गए. काफी जद्दोजहद के बाद चुनाव आयोग बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवपुरा सेगमेंट की मतदाता सूची राहुल गांधी को देने के लिए तैयार हुआ और वह भी लाखों कागजों पर आधारित, जबकि वह डिजिटल दी जा सकती थी. इन कागजों की जांच करने में राहुल गांधी की टीम को लगभग छह माह का समय लगा. अगर यह डिजिटल फॉर्मेट में दी जाती तो यह काम एक दिन में ही हो जाता. यह भी सोचने का विषय है कि चुनाव आयोग ने डिजिटल फॉर्मेट में सूची देने की बजाय टनभर कागज में क्यों दिए? क्या वह चाहता था कि कोई जांच कर ही न पाए? अपने अध्ययन का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि बीजेपी ने बेंगलुरु सेंट्रल की सीट 32,707 वोटों से जीती, जबकि उसके पक्ष में 1,00,250 जाली वोट पड़े थे.

संदेह मुक्त होनी चाहिए मतदाता सूची

लोकतंत्र में फ्री एंड फेयर इलेक्शन तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूची पर कोई संदेह न हो और 18 वर्ष से ऊपर के किसी भी भारतीय नागरिक का नाम उसमें से गायब न हो. लेकिन इन आरोपों की जांच करने या मतदाता सूची की कमियों को दूर करने की बजाय चुनाव आयोग राहुल गांधी से लिखित में हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र मांग रहा है और वह भी अपने द्वारा बनाए गए फॉर्मेट में जो कि मतदाता सूची किसी का नाम जोड़ने या घटाने के लिए दिया जाता क्या राहुल गांधी मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने या निकालने की मांग कर रहे हैं? नहीं. वह तो यह कह रहे हैं कि जिस मतदाता सूची के में है. आधार पर 2024 का लोकसभा चुनाव कराया गया और जिसे चुनाव आयोग ने स्वयं उन्हें दिया उसमें धांधली हुई है, जिसकी जांच होनी चाहिए?

- डॉ. अनिता राठौर

दिल्ली डायरी

राहुल के 'वोट चोरी' के आरोप पर वार-पलटवार

प्रवेश कुमार मिश्र

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों जिस तरह से कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र को आधार बनाकर वोट चोरी का आरोप लगाया था उसके बाद वार-पलटवार आरंभ हो गया है.

भाजपा जहां एक तरफ राहुल गांधी के एटम बम फोड़ने के दावे को अलग-अलग विशेषण के साथ हास्यास्पद बनाने के प्रयास में जुटी है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर बहस का विषय बनाकर एक साथ चुनाव आयोग की संवैधानिक

वचनबद्धता को कटघरे में खड़ा करने के साथ-साथ भाजपा की कथित निरंकुश नीति को उजागर कर भाजपाई विजय को धोखे की जीत बताने के प्रयास में लगी है. दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में इस विषय को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है. कांग्रेस के अलावा इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कुछ नेता राहुल के दावे को तथ्यों से परे बताकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सीधे सवाल उठाने से बचने की सलाह दे रहे हैं.

चुनावी बैतरणी पार करने की तैयारी

बिहार वोटर वेरिफिकेशन यानी एसआईआर के मुद्दे को दिल्ली के सड़क से संसद तक आरंभ हुए विरोध को बिहार के हरेक ब्लाक स्तर पर पहुंचाने के प्रयास में जुटी कांग्रेस पार्टी अब इसके सहारे चुनावी बैतरणी पार करने की तैयारी कर रही है. दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल एक सोची-समझी रणनीति के तहत एसआईआर के मुद्दे को बिहार विधानसभा चुनाव तक जिंदा रखना चाहते है. इतना ही नहीं एसआईआर दूसरे प्रदेशों में लागू नहीं किया जा सके इसके लिए विपक्षी दलों के नेता एकजुट होकर मोर्चाबंदी कर रहे हैं.

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम पर सस्पेंस

अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, इस सवाल को लेकर संसद के अंदर व बाहर गुफ्तगू हो रही है. विपक्षी समूह भी एक ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करना चाहते हैं जिसकी अंकगणित आधार पर भले ही हार हो जाए लेकिन राजनीतिक संदेश के सहारे राजनीतिक लाभ मिलता रहे. जबकि सत्ता पक्ष के रणनीतिकार बहुस्तरीय समीकरण को साधकर एक ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करना चाहते हैं जिसकी तुलना यदि निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की योग्यता और वचनबद्धता से हो तो वह कम नहीं दिखे. ऐसी स्थिति में संघ के सुझाव के आधार पर भाजपाई रणनीतिकारों द्वारा कुछ नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास भेजे गए है. चर्चा है कि पक्ष व विपक्ष उम्मीदवार चयन में सामाजिक समीकरण पर ज्यादा जोर दे रहे हैं.

धमक दिल्ली तक

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा द्वारा राजद पर राजद द्वारा भाजपा पर और जनसुराज द्वारा राजद, कांग्रेस, भाजपा व जदयू पर चल रहे आरोप प्रत्यारोप की धमक दिल्ली में भी महसूस हो रही है. संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार से संबंध रखने वाले सांसद भी संसद के गलियारों में इन दिनों इशारों-इशारों और व्यंग्यात्मक लहजे में एक दूसरे के नेताओं पर आरोप लगाते दिख रहे हैं. हालांकि जनसुराज के नेता प्रशांत किशोर ने जिस तरह से पिछले दिनों भाजपा व जदयू के नेताओं पर तथ्यात्मक आरोप लगाया है उसके कारण कोई भी प्रशांत किशोर के खिलाफ औपचारिक रूप से बोलने से बच रहा है. चर्चा है कि बिहार के बड़े बड़े नेताओं के अंदर प्रशांत का डर इस कदर बैठ गया है कि वे अपने को उसकी नजरों से बचने के प्रयास कर रहे हैं.

सीबीएसई लागू करेगा ओपन बुक परीक्षा

हमारी शिक्षा व परीक्षा प्रणाली में विषय को ठीक से समझने की बजाय रटने पर जोर दिया जाता है. परीक्षा में विद्यार्थी की स्मरणशक्ति जांची जाती है लेकिन यह नहीं देखा जाता कि उसने वर्ष भर जो अध्ययन किया है, वह उसे कितना समझ में आया. छात्र की मौलिक सोच और स्वतंत्र विश्लेषण की क्षमता को विकसित करना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य रहना चाहिए. रटना बुरी बात नहीं है लेकिन इससे उसका शैक्षणिक आकलन नहीं हो पाता, इसलिए परंपरागत परीक्षा प्रणाली में बदलाव के सुझाव दिए जाते रहे हैं. अब सीबीएसई ने ओपन बुक परीक्षा पद्धति लागू करने का निर्णय लिया है. 2026-27 से 9वीं की परीक्षा में इसे लागू किया जाएगा. छात्रों के लिए यह आसान नहीं है क्योंकि जिसने किताब अच्छी तरह ध्यान से पढ़ी होगी वही प्रश्न को समझकर उसका उत्तर पाठ्यपुस्तक से खोज पाएगा और फिर उसे अपने शब्दों में लिख पाएगा. इसके लिए छात्रों को विश्लेषणात्मक लेखन की आदत डालनी होगी. जिसने किताब को हाथ ही नहीं लगाया या शुरू से आखिर तक नहीं पढ़ा, उसे कैसे पता चलेगा कि प्रश्न का उत्तर कहां और किस पन्ने पर मिलेगा. खुली पुस्तक उसके उत्तर लिखने में सहायक होगी. आखिर पीएचडी करने वाले या शोधपत्र लिखने वाले भी तो अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर विश्लेषण के साथ उनके संदर्भइस्तेमाल करते हैं. इसलिए यह सोचना गलत है कि

ओपन बुक परीक्षा प्रणाली आने पर बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे. उन्हें देखना होगा कि निर्धारित समय के भीतर किस पुस्तक की मदद लेकर वह प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं. विदेशी स्कूलों में भी इस तरह की परीक्षा प्रणाली है. सीबीएसई ने पहले भी प्रयोग किए हैं जैसे कि कुछ वर्ष पहले 10वीं की बोर्ड परीक्षा ऐच्छिक रखी थी. विद्यार्थी बोर्ड की बजाय स्कूल की परीक्षा दे सकते थे. स्कूल से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों ने बाद में 12वीं में अच्छे अंक हासिल किए. बाद में यह प्रयोग रोक दिया गया. सीबीएसई को पुरानी विफलताओं और वर्तमान स्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रयोग करना होगा. यह भ्रम दूर करना होगा कि ओपन बुक प्रणाली का मतलब नकल को खुला बढ़ावा देना है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मुनीर कर रहे व्यर्थ की बकबक भारत मर्सीडीज तो पाक है ट्रक

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान कहा कि भारत चमचमाती मर्सीडीज है तो पाकिस्तान ट्रक है. यह किस प्रकार की तुलना है? क्या मुनीर अपनी हैसियत ट्रक चालक के समान बता रहे हैं और भारत की सबल अर्थव्यवस्था का कम्पेरिजन मर्सीडीज से कर रहे हैं?

हमने कहा, जब मुनीर आर्मीमैन हैं तो उन्हें अपने देश को ट्रक की बजाय टैंक या बख्तरबंद गाड़ी बताना चाहिए था. बेशक वह जानते हैं कि पाकिस्तान कंगाली के कचरे और कर्ज का बोझ ढोने वाला 78 वर्ष पुराना जर्जर ट्रक है जिसकी बॉडी अंजर-पंजर और टायर पंक्चर हो चुके हैं.

पड़ोसी ने कहा, इस बयान को सुनकर ट्रंप मुनीर की मुराद पूरी कर देंगे और अपनी ओर से अमेरिकी ट्रकों का फ्लीट भेंट कर देंगे. यह मुनीर को संकेत होगा कि आर्मी से रिटायर हो जाओ तो ट्रक चालक की जिंदगी बिताओ. ट्रक ड्राइवर की जिंदगी भी अनूठी रहती है. वह अधिकांश समय घर से दूर रहता है. ट्रक में फिल्मी गाने सुनते हुए लंबा सफर

तय करता है. रास्ते में रुक कर ढाबे पर खाना खाता है और रस्सी से बुनी खुरदुरी खाट पर सो जाता है. ट्रक चलाते समय वह पूरी सड़क को अपनी जागीर समझता है और बाकी वाहनों की परवाह नहीं करता. ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बावजूद जिस तरह मुनीर जनरल की रैंक से पदोन्नति देकर फील्ड मार्शल बना दिए गए वैसे ही ट्रक का क्लीनर भी प्रमोशन पाकर ड्राइवर बन जाता है. व्यक्ति जो चाहता है, वैसा हो जाता है. यदि मुनीर पाकिस्तान को ट्रक मानते हैं तो कभी न कभी ट्रक ड्राइवर बनकर रहेंगे. शायद वह यह धमकी देना चाहते हैं कि पाकिस्तान रूपी ट्रक मर्सीडीज रूपी भारत को टक्कर मार सकता है.

हमने कहा, ट्रक तो मामूली चीज है. हमारे यहां यूपी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बुलडोजर चलवा कर माफिया अपराधियों व अतिक्रमणकारियों के घर ढहा देते हैं. हमारे बुलडोजर का पंजा पाकिस्तान के ट्रक की बॉडी को फाड़कर रख देगा.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को नजरअंदाज कर मिलिट्रीमैन मुनीर को महत्व दिया है. खुद को महान लोकतंत्र बताने वाला अमेरिका अन्य देशों में सैनिक जनरलों या तानाशाहों को पालता-पोसता आया है. ट्रंप अपने स्वार्थ की वजह से मुनीर को पनीर खिला रहे हैं.

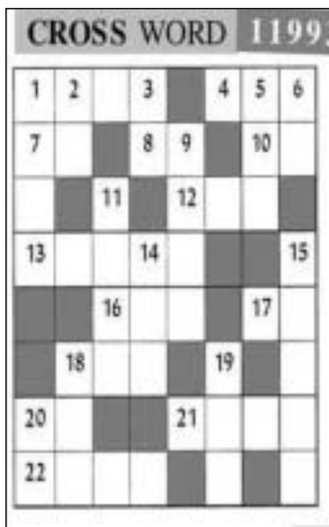

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11993

2. नैतिक आचरण 3. गड्ढा, विदारण द्वार, भाव, 5. बेशर्म, निर्लज्ज (उर्दू) 6. कण, दाना, सूजी 9. संयोजक, अंगों को अलग-अलग करना, बिगाड़ना, नष्ट करना 11. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि 14. पचने की क्रिया, पाचन, बेईमानी या अनुचित रीति से अधिकार में किया हुआ (उर्दू) 15. गुलाब का अर्क 18. मोटा छिलका अथवा आवरण, लोहे की कड़ियों का वह आवरण जो युद्ध के समय वीरों द्वारा पहना जाता था 19. लेखनी 20. होंठ (उर्दू)

बाएं से दाएं

1. शुभवचन, आशिष (सं.) 4. देर, अतिकाल 7. निषध देश का राजा जिसका विवाह दमयंती से हुआ था 8. सूर्य (सं.) 10. वायु, पवन 12. अपेक्षाकृत खराब या कम मोल का, तुच्छ 13. कोमलता, नरमी, नम्रता 16. भार, बोझ, तौल 17. नेजा, बरछा 18. सौगंध, शपथ 20. रामचंद्रजी के दो पुत्रों में से एक 21. साले की पत्नी 22. बाल्यावस्था, लड़कपन

ऊपर से नीचे

1. ठसक, सज-धज, तड़क-भड़क

Solution 11992

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी, राजनैतिक लाभ होगा, वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति मेंसुधार होगा, आय के अन्य स्त्रोतों में वृद्धि होगी, पूर्व परिचित से भेंट होगी, सफलता मिलेगी, मन में प्रसन्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है, स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, शुभ समाचार मिलेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम व उदासीनता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को खानपान पर ध्यान देना पडेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को आपसी सामंजस्य के साथ काम लेना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, दुबला पतला किन्तु लम्बे कद का होगा, इनकी शिक्षा अच्छी होती है, लेखन अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी, आय के एक से अधिक साधन रहेगें, नौकरी में सफलता प्राप्त होगी, दायित्वों की पूर्ति होगी,

मेष- जीवनसाथी की मदद से मुश्किल राह आसान होगी, बुजुर्गों का ध्यान रखें, सुख, ऐश्वर्य आदि की प्राप्ति हो सकती है, प्रवास का योग है.

वृषभ- सामाजिक जीवन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, प्रियजन की मुलाकात सुखद रहेगी, शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी, जमिथुन जायजाद का सुख मिलेगी.

मिथुन- आफिस की परेशानी से कार्य प्रभावित होगा, आवेश में फैसला गलत होगा, विरोधी पक्ष के कारण थोड़ी परेशानी हो सकती है.

कर्क- मित्रों के साथ समय मौजमस्ती में बीतेगा, माता पिता से सहयोग मिलेगा, पारिवारिक जीवन सुखद एवं आनंददायक रहेगा, लाभ का योग है.

सिंह- भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, प्रियजन की मदद से कार्य पूरे होगें, लंबित कार्यो को पूरा करना ही हितकर रहेगा, अनावश्यक व्ययभार न बढ़ायें.

कन्या- मधुरवाणीं से सबका दिल जीत लेगें, प्रापर्टी का विवाद हल होगा, धार्मिक कार्यों में यश, सम्मान मिलेगा, मित्रता उपयोगी रहेगी.

तुला- तरक्की का अवसर है, जिसे आप चाहते हैं उससे मन की बात कह दें, नौकरी में सफलता प्राप्त होगी, शुभ समाचार मिलने का योग है.

वृश्चिक- अनुभवी लोगों का साथ सुखद रहेगा, कार्यो को इच्छित सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, राजकीय सहयोग से शत्रु बाधा दूर होगी.

धनु- घरेलू कार्य पूरा करने में व्यस्त रहेगे, कार्य स्थल पर माहौल अनुकूल रहेगा, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, सामाजिक कार्यो में रूचि रहेगी.

मकर- बातचीत में सावधानी रखें, धैर्य से काम लें, अनावश्यक खर्च से चिन्ता होगी, किसी उत्सव आदि में शामिल होने का योग है, मनोरंजन के कार्यो में सफलता मिलेगी.

कुम्भ- जीवनसाथी की भावनाओं पर ध्यान दे, पारिवारिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा, नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें.

मीन- योजना लागू करने का सही समय है, नये संपर्को से लाभ होगा, आकस्मिक धन लाभ का योग है, पारिवारिक कार्यो में सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

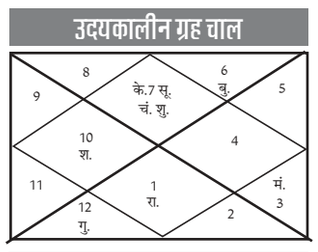

रा.मि. 23 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण पंचमी गुरूवासरे प्रात: 5/46 तदुपरि षष्ठी तिथौ रात 3/24, रेवती नक्षत्रे दिन 11/24, शूल योगे शाम 4/16, तैतिल करणे सू.उ. 5/32 सू.अ. 6/28, चन्द्रचार मीन दिन 11/24 से मेष, पर्व- हलषष्ठी व्रत, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण पंचमी/षष्ठी को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, सूत, वस्त्र, नारियल, सुपारी, मेवा, सोना, चांदी, लोहा, तांबा व शेयर के भाव में मंदी होगी. भाग्यांक 2499 है.

SUDOKU 7125

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7124

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7